

दिनांक 28.08.2026 को सम्पन्न परिवार समिति की बैठक की कार्यवाही।

पथ प्रमंडल, शेरघाटी के अन्तर्गत पथ आस्तियों के अनुरक्षण हेतु दीर्घकालीन निष्पादन और उपलब्धि आधारित पथ आस्तियाँ अनुरक्षण संविदा (Long Term Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) Under Package No.-49B/OPRMC-III for the year 2026-33 कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में प्राप्त परिवार पर विभागीय पत्रांक-2217(E) दिनांक-01.04.2026, पत्रांक-2360(E) दिनांक-09.04.2026 एवं पत्रांक-5625(E) दिनांक-17.08.2026 द्वारा गठित समिति की बैठक की कार्यवाही।

उपस्थिति:

- (i) श्री उमा कान्त रजक, अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव (कार्य प्रबंधन), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- (ii) श्री अभिषेक पलासिया, संयुक्त सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- (iii) श्री राजेश कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता, संविदा प्रबंधन, नीतिगत मामले एवं लेखा परीक्षा, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- (iv) श्री राजकुमार, मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

2. दिनांक-14.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की कार्यवाही, जो उपभागीय ज्ञापांक-2716 दिनांक-14.08.2026 द्वारा संसूचित है, में लिये गये निर्णय के विरुद्ध प्राप्त परिवार पर मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2861(अनु०) दिनांक-22.08.2026 के माध्यम से परिवार पर दिनांक-22.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की कार्यवाही एवं अनुशांसा के आधार पर विवरणी निम्नवत् है :-

- 2.1 कार्य का नाम एवं पैकेज संख्या : पथ आस्तियों के अनुरक्षण हेतु दीर्घकालीन निष्पादन और उपलब्धि आधारित पथ आस्तियाँ अनुरक्षण संविदा (Long Term Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) Under Package No.-49B/OPRMC-III for the year 2026-33
- 2.2 योजना मद : 3054
- 2.3 निविदा आमंत्रित करने वाले प्रमंडल का नाम : पथ प्रमंडल, शेरघाटी
- 2.4 प्रशासनिक स्वीकृति की राशि एवं प्रसंग : ₹14753.43 लाख।
विभागीय ज्ञापांक-3247(एस०) दिनांक-12.05.2026
- 2.5 तकनीकी स्वीकृति की राशि एवं प्रसंग : ₹17197.71 लाख।
मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का पत्रांक-1678 (अनु०), दिनांक-22.05.2026
- 2.6 ECV/परिमाण विपत्र की राशि : ₹15442.59640 लाख।
- 2.7 कार्य समाप्ति की अवधि : 84 (Eighty-four) Months.
- 2.8 निविदा की प्रक्रिया : ई-टेंडरिंग (MBD)
- 2.9 निविदा प्राप्ति की तिथि : 03.07.2026
- 2.10 प्राप्त निविदा क्या पुनर्निविदा है यदि हाँ तो कारण : पुनर्निविदा नहीं है।

3. विषयांकित निविदा में निम्नलिखित 05 (पाँच) संवेदकों द्वारा भाग लिया गया :-

- (1) M/s Raja Construction. (2) M/s Bhardwaj Construction.
(3) M/s Ramiya Construction Pvt. Ltd. (4) Shivalaya Construction. Ltd.
(5) Avednex Pvt. Ltd.

4. उपरोक्त कार्य की निविदा में कुल 05 (पाँच) निविदाकार यथा—(i) M/s Raja Construction. (ii) M/s Bhardwaj Construction. (iii) M/s Ramiya Construction Pvt. Ltd. (iv) Shivalaya Construction. Ltd. एवं (v) Avednex Pvt. Ltd. द्वारा भाग लिया गया है।

दिनांक-14.08.2026 को तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति द्वारा 05 (पाँच) निविदाकार यथा— (i) M/s Raja Construction को MBD Section-3 Clause 1.2.3, Section-4E. 10 एवं MBD Section-3 Clause-1.2.3 के तहत (ii) M/s Bhardwaj Construction को MBD Section-3 Clause 2.2.1, Section 4E.5 के तहत (iii) M/s Ramiya Construction Pvt. Ltd. को MBD Section 3: Clause 1.2.3, Section 4E.10 एवं MBD Section 3 : Clause 1.2.3 के तहत (iv) Shivalaya Construction Ltd को MBD Section 3 : Clause 2.3.3, Section 4E.8 & 4E.9 एवं MBD Section 3 : Clause 2.6, Section 4, D.3 के तहत एवं (v) Avednex Pvt. Ltd. को निविदा की सभी वांछित न्यूनतम अहर्ता पूर्ण नहीं करने के कारण तकनीकी बीड में असफल घोषित करने का निर्णय लिया गया।

5. उपभागीय ज्ञापांक-2716 दिनांक-14.08.2026 द्वारा संसूचित दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की निर्णय के विरुद्ध विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा (1) M/s Raja Construction, के Ref:-शून्य दिनांक-17.08.2026 एवं (2) Shivalaya Construction Ltd. के Ref:-SCL-Bids/RCD/Bihar/2026/Pkg-49B/01, Date-17.08.2026, (3) M/s Bhardwaj Construction के Ref:-113 दिनांक-17.08.2026 के द्वारा परिवाद/ अभ्यावेदन/ आपत्ति समर्पित किये जाने के परिप्रेक्ष्य में मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2861(अनु०) दिनांक-22.08.2026 द्वारा परिवाद पर दिनांक-22.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की बैठक की कार्यवाही एवं अनुशंसा समर्पित की गई है।

6. परिवाद:- उपरोक्त तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा—(i) M/s Raja Construction, के Ref:-शून्य दिनांक-17.08.2026 एवं (ii) Shivalaya Construction Ltd के Ref:-SCL-Bids/RCD/Bihar/2026/Pkg-49B/01, Date-17.08.2026, (iv) M/s Bhardwaj Construction के Ref:-113 दिनांक-17.08.2026 द्वारा विषयांकित कार्य के तकनीकी बीड मूल्यांकन पर परिवाद प्राप्त हुआ है, जो निम्नवत् है :-

क्र ० सं ०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
1.	M/S Raja Construction	उपरोक्त विषय के संबंध में निवेदन पूर्वक कहना है कि मेरे द्वारा विषयांकित कार्य के निविदा में भाग लिया गया है। दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की बैठक की कार्यवाही (प्रासंगिक पत्र) के द्वारा मुझे विषयांकित कार्य के निविदा के तकनीकी बीड में	निविदाकार द्वारा FIN-4, Financial Requirments for current contract commitments में कुल सात अद्द कार्यों का जिक्र	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

क्र ० सं ०	परिवादी निवेदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		असफल कर दिया गया है। प्रासंगिक पत्र के कंडिका-4(i) में यह कहा गया है कि:- M/S. Raja Construction के द्वारा पथ प्रमंडल, कोचस अन्तर्गत W/S of Malhipur to Darigaon Via Baddi Road from Km 0.00 to 19.05 under CMBD का कार्य अपने Existing Commitments of ongoing works में नहीं दर्शाया है। अतः इनको MBD Section-3, Clause 1.2.3 एवं NIT के कंडिका-39 के तहत असफल घोषित होते हैं, जो नियमानुकूल नहीं हैं। इस संबंध में निवेदन पूर्वक महोदय से निम्न तथ्यों की ओर ध्यान आकृष्ट कराना चाहूँगा :- (1) जिस कार्य को कह कर यह कहा गया है कि मेरे द्वारा Existing Commitment में पथ निर्माण विभाग के कोचस प्रमंडल के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्य को नहीं दर्शाया गया है के संबंध में यह कहना है कि संबंधित कार्य एकरारनामा सं०-07CMBD/2017-18 द्वारा कराया जा रहा था, जिसमें कार्य आरंभ करने की तिथि 24.02.2018 और कार्य समाप्ति की तिथि 23.02.2020 थी। संबंधित कार्य दिनांक-21.03.2024 को संतोषप्रद रूप से कार्य समाप्त किया जा चुका था। इस संबंध में कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, कोचस द्वारा उनके पत्रांक-403 दिनांक-22.04.2025 द्वारा अनुभव प्रमाण पत्र भी निर्गत किया था, (सुलभ प्रसंग उक्त पत्र की छायाप्रति संलग्न है)। मेरा मंशा Existing Commitment Ongoing works छुपाने का नहीं था चूँकि उपरोक्त कार्य समाप्त हो चुका था जिसका अनुभव प्रमाण पत्र प्राप्त था इसलिए Existing Commitment (B) में इसको नहीं जोड़ा गया यदि इस कार्य का Maintenance (OM+PM) की राशि Existing Commitment (B) में जोड़ा भी	एवं संबंधित कार्य का counter sign by Engineer-in-Charge द्वारा किया हुआ Uploaded है। परंतु पथ प्रमंडल, कोचस, पथ निर्माण विभाग अंतर्गत W/S of Malhipur to Darigaon Via Baddi Road from Km 0.00 to 19.05 under CMBD जिसका कार्य प्रारंभ की तिथि 24.02.2018 एवं वास्तविक कार्य समाप्ति की तिथि 29.02.2024 है एवं अनुरक्षण कार्य 24.02.2029 तक किया जाना है जो कि इनके द्वारा Existing Commitment में अंकित नहीं है, जो कि NIT की कंडिका 39 एवं MBD Section-3, Clause-1.2.3 का उल्लंघन है। अतः परिवाद में उल्लेखित बिन्दु मान्य नहीं है।	

क्र ० सं ०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		जाता है तो मेरे द्वारा समर्पित निविदा के Bid Capacity पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। पुनः मूल्यांकन कर Bid Capacity की गणना करते हुए मुझे सफल घोषित करने की कृपा करें। (1) इस संबंध में MBD के Fin-4: में साफ अंकित है कि वैसे कार्य जिसका कार्य समाप्ति का अनुभव प्रमाण पत्र निर्गत किया जा चुका है Existing Commitment में नहीं दर्शाना है। FORM Fin-4: Financial Requirements for Current Contract Commitments FORM FIN-4 Bidders (or each joint Venture Partner) should provide information on their current commitments on all contracts that have been awarded, or for which a letter of intent or acceptance has been received, or for contracts approaching completion, but for which an unqualified, full completion certificate has yet to be issued.” (1) इस संबंध में मैं आपका ध्यान MBD के कंडिका-22 पर आकृष्ट करना चाहता हूँ, जो Clarification of Bids से संबंधित है। उसके उप कंडिका-22.1 में अंकित है कि:- “To assist in the examination, evaluation, and comparison of the bids, and qualification of the Bidders, the Employer may, at its discretion, ask any bidder for clarification of its bid. Any clarification submitted by a Bidder that is not in response to a request by the Employer shall not be considered. The employer’s request for clarification and the response shall be in writing. No change in the prices or substance of the bid shall be sought, offered, or permitted, except to confirm the correction of arithmetic errors discovered by the Employer in the evaluation of the bids, in accordance with ITB 26.” उक्त नियम		

क्र ० सं ०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		के आलोक में भी भवदीय हमें एक मौका निविदा के तकनीकी मूल्यांकन से पूर्व देने की कृपा करते तो उक्त अल्प आपत्ति का भी निराकरण कराया जा सकता था। (1) इस संबंध में मैं आपका ध्यान पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना द्वारा निर्गत पत्रांक-6158(एस) दिनांक-09.07.2014 की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ, जो SBD/MBD/ CMBD/NH पर आधारित निविदाओं के तकनीकी निष्पादन हेतु Eligibility Criteria से संबंधित है, के आलोक में भी भवदीय के स्तर पर निर्णय अपेक्षित है। (2) हमारे द्वारा समर्पित निविदा में Bid Capacity अपलोड है एवं जिस कार्य में Existing Commitment छुपाने का आरोप लगाया गया है वो कार्य निविदा के तिथि के पूर्व कार्य समाप्त किया जा चुका है। (अनुभव प्रमाणपत्र की छायाप्रति संलग्न) (3) इस संबंध में मैं पूर्व में समरूप मामले में भवदीय कार्यालय का पत्रांक-1822(अनु0)/पटना दिनांक-30.05.2025 की ओर ध्यान दिलाना चाहूँगा। उक्त पत्र के द्वारा मुझे W/S of Imamganj to Pakri via Kothi Salaiya Road from Km 0.00 to 24.00 के निविदा में सफल घोषित किया गया था। परन्तु श्रीकान्त प्रसाद, माननीय सदस्य जनता दल (यू0) क्रियाशील के द्वारा Existing Commitment संबंधित दिये गये परिवाद पर विचारोपरान्त निर्णय लिया गया कि:- परिवाद की समीक्षा एवं तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति का निर्णय (प्रति संलग्न):- समीक्षोपरान्त पाया गया कि निविदाकार M/S Raja Consturction के निविदा प्राप्ति के पश्चात ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, इमामगंज द्वारा आवंटित कार्य को Existing Commitment (B) में जोड़ने के उपरान्त भी इनका Bid Capacity जो वांछित Bid Capacity की राशि से अधिक था एवं निविदा में सफल घोषित किया गया था।		

क्र ० सं ०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		साथ ही साथ मुझे यह भी कहना है कि निविदाकार M/S Manisha Construction के द्वारा ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, देवघर से निर्गत Package No. JH-P3-22- 23-DEO-03(PMGSY-III-Batch-I) का अनुरक्षणकार्य Existing Commitment & Ongoing works में नहीं दर्शाया गया है। जिनको OPRMC-III under Package No. 45A/Gaya, OPRMC-III under Package No. 45B/Gaya में तकनीकी रूप में सफल घोषित किया गया है। Tender ID :2023_CJHR_ 122909_11 (www.pmgstendersjhr.gov.in) Letter of Acceptance- Attached. अतः अनुरोध है कि उपरोक्त तथ्यों पर विचार करते हुए विधि संगत निर्णय लेकर हमारे द्वारा समर्पित निविदा को तकनीकी रूप से सफल घोषित करने की कृपा की जाय। इस हेतु मैं आपका सदा आभारी रहूँगा।		
2.	Shivalaya Construction Limited	<u>1. Serial No. 17; Financial Resources, Section3: Clause 2.3.3, Section 4E.8 & 4E.9, Form FIN-3 & Fin 3(a)</u> <u>Remarks: "Wrong Package Name Mentioned"</u> As per Clause no. 2.3.3 of the Model Bidding Document (MBD) "The Bidder must demonstrate access to or availability of financial resources such as liquid assets, unencumbered real assets, lines of credit, and other financial means, other than any contractual advance payments to meet: Credit Lines/ Letter of Credit/Solvency Certificates from Banks etc. shall be not less than 10% of the total Estimated Cost Value i.e. 15,44,25,964/-" As per Clause no. 2.3.3 of the Model Bidding Document (MBD) clearly	निविदाकार Shivalaya Construction Limited द्वारा निविदा के साथ uploaded Financial Resources के Form FIN-3(a) में OPRMC-III/ Package No-44B, under Road Division-01, Aurangabad का नाम अंकित किया गया है, जबकि उक्त कार्य पथ प्रमंडल शेरघाटी	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

क्र ० सं ०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		states that only one of the following is required: a line of credit, a letter of credit, or a solvency certificate from banks, etc. However, we had submitted two certificates from banks (Details provided below and re-attached for your records and reference): 1. Credit Facility certificate from HDFC Bank: 25.00 Crore 2. Credit Limit certificate from Bank's: 975.00 Crore We possess a credit limit certificate from the bank for ₹975 crore, which significantly exceeds the minimum requirement of 15.44 crore. Therefore, the requirement of Clause 2.3.3 is fully met. We request you to kindly consider the same. <u>2. Serial No. 23; Equipment: Section 3: Clause 2.6, Section 4 D.3, Form EQU "Hot Mix Plant Lease Attached"</u> Due to a typographical error, we wrote 'Leased' instead of 'Owned' equipment. We request you to read this as "Owned:". We have submitted the invoice with the Technical Bid was clearly indicates "Consignee (Ship To): M/s Shivalaya Construction Co. Pvt. Ltd.", thereby establishing the availability of the equipment for execution of the subject work. Therefore, the requirement under Form EQU has been fully met. We request you to kindly consider the same. We respectfully request you to kindly consider the above clarifications along with the enclosed revised documents	OPRMC-III/ Package No-49C, से संबंधित है। उक्त के संबंध में MBD Section 3: Clause 2.3.3, Section 4E.8 & 4E.9 का उल्लंघन है। अतः परिवाद को अमान्य किया जाता है। क्रमांक 2 अन्तर्गत वर्णित परिवाद को मान्य किया जाता है।	

क्र ० सं ०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		and take the same on record for further evaluation of our Technical Bid. We trust that the enclosed documents adequately address all the observations raised. Kindly acknowledge receipt of this submission.		
3.	M/S Bhardwaj Construction	That this objection/representation is being filed by the petitioner in pursuance of order dated 14.08.2026 by which the technical bid of the petitioner has been rejected on the ground that he has not shown the column for pending litigation whereas a writ petition bearing CWJC No. 7703 of 2026 is pending before the Hon'ble High Court, Patna regarding payment of the price escalation as provided under clause 10 (C), (A) and 10 (C), (c) under Vaishali Road Division, Hajipur, Road Construction Department whereas the said clause is a non essential condition and whereas the technical bid of some other similarly situated bidder has been passed and they have been declared successful as will be apparent from the statements made in paragraphs here in below. A copy of the order dated 14.08.26 is annexed here with and marked as Annexure-1 2. That it is relevant to mention some relevant facts for better appreciation of this case. 3. That it is stated that a NIT was published for work namely OPRMC under package no. 49B OPRMC-III for the year 2026-33 Road Division Sherghati and the price of the contract was Rs.17197.71 Lacs	निविदाकार M/S Bhardwaj Construction के विरुद्ध Litigation लंबित है, जिसे Pending Litigation अन्तर्गत नहीं दर्शाया गया है। जिस कारण MBD Section-3 Clause 2.2.1, Section 4E.5 का उलंघन है। अतः परिवाद को अमान्य किया जाता है।	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

क्र ० सं ०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		and as the petitioner was having all the requisite qualification he also participated in the said bid by filing an appropriate bid form along with all the requisite documents and requisite earnest money as will be apparent from the report attached in the abovesaid order dated 14.08.2026 from perusal of which it will manifestly be apparent that the petitioner mentioned in column no. 5 that he is fulfilling all the essential condition as mentioned in notice inviting tender and MBD and he is having all the requisites experience required for the said work. 4. That it is stated that altogether 6 tenderors including MG contractor Pvt. Ltd, Dwarika Singh and the petitioner but the technical bid of the petitioner has been rejected on the ground that he has not mentioned regarding the pendency of above mentioned CWJC No. 7703 of 2026 which was a non essential condition as this condition has nothing to do with the nature of the abovesaid work but at the same time the technical bid of Dwarika Singh (who has also not disclosed regarding the pendency of CWJC No. 16829 of 2025 Dwarika Singh Versus The State of Bihar & others and have mentioned the said column regarding pending litigation as not applicable) has been approved and he has been declared successful in technical bid but the case of the petitioner has been differently treated as will be apparent from the present status of the abovesaid case CWJC No. 16829 of 2025 and from the perusal of the letter dated 30.06.2026 showing that Dwarika Singh had mentioned the word not applicable	CWJC No. 16829 of 2025 इस निविदा में निविदाकार द्वारा भाग नहीं लिया गया है। अतः परिवाद विचारणीय नहीं है।	

क्र ० सं ०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		regarding pending litigation. A copy of the present status of case of CWJC No. 16829 of 2025 along with letter dated 30.06.2026 issued by Dwarika Singh is annexed here with and marked as Annexure-2 5. That it is also relevant to mention here that likewise in other tenders for similar works, the technical bid of some other bidder who have not disclosed regarding pendency of cases before Hon'ble High Court, Patna in the column of pending litigation but they have been declared successful in technical bid. For example M/s Mother India Construction Pvt. Ltd has file CWJC No. 2824 of 2025 which is pending before the Hon'ble High Court, Patna and he has also not disclosed the abovesaid facts in the tender document but he has been declared successful in several technical bids in package no. 34(B) under Ara Division package no. 33(A) under Sheikhpura Division, package no. 46(A) and 46(B) under Jehanabad Division likewise one Baijnath Nirman India Pvt. Ltd. had also filed CWJC No. 16954 of 2024 which is also pending and despite non disclosure of the same in the tender document, he has been declared successful in technical bid in package no. 40(B) under Hilsa Division and one Sristi Developers Pvt. Ltd. has also filed CWJC No. 10134 of 2026 which was pending till 13.07.2026 but the same has not been disclosed by him in the tender form filled up/ submitted by/ before 03.07.2026 but he has also been declared successful in technical bid in package no. 40(B) under Hilsa Division, package no. 48(B). under	CWJC No. 2824 of 2025 इस निविदा में निविदाकार द्वारा भाग नहीं लिया गया है। अतः परिवाद विचारणीय नहीं है। CWJC No. 16954 of 2024 इस निविदा में निविदाकार द्वारा भाग नहीं लिया गया है। अतः परिवाद विचारणीय नहीं है। CWJC No. 10134 of 2026 इस निविदा में निविदाकार द्वारा भाग नहीं लिया गया है। अतः परिवाद विचारणीय नहीं है।	

क्र ० सं ०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		Nawada Division, package no. 39(A) under Bihar Sharif Division and package no. 22(A) under Katihar Division but the case of the petitioner has been treated differently all the abovesaid fact will manifestly be apparent from the cases status published on the high site and as such it is manifestly evident that the abovesaid condition of disclosing the pending litigation is purely a non essential condition and the technical bid of the petitioner out not to have been rejected on such grounds as he is fulfilling all the essential conditions. Copies of the present case status is annexed here with and marked as Annexure-3 Series 6. That at this stage it is relevant to mention here that it has been held in so many cases by the Hon'ble High Court, Patna that in all tender process the requirement can be broadly categorize as those which laid down essential conditions of eligibility and the other which are merely insularly or subsidiary to the main object and in the present case requirement of clause 2.2.1 of the MBD is not related with the main object of the work and hence the rejection of technical bid of the petitioner is bad in law it is also relevant to mention here that it is also settled principle that the concerned authorities should realized that award of contracts are sources of livelihood and the concerned authorities should not insist on hyper technicalies and here splitting and they must give up there image of specializing in finding out all the wrong and hyper technical reasons to defeat genuine cases but in the present case the technical bid of		







क्र ० सं ०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		the petitioner has been rejected on the ground relating to a very non essential condition. 7. That in view of the abovesaid facts and circumstances it is manifestly apparent that the case of the petitioner has been rejected on a very hyper technical ground as the condition laid down in 6 clause 2.2.1 of the MBD which is a non essential condition as will be apparent from the abovesaid statements that some similarly situated other bidders have been declared successful in the technical bids where as they have also not fulfilled the condition of abovesaid clause 2.2.1 which itself clarifies that it is a non essential condition It is, therefore, prayed that your lordships may graciously be pleased to consider this objection/representation and after hearing the petitioner be pleased to allow this objection/representation petition and approve/pass the technical bid of the petitioner and be pleased to declare the petitioner successful in technical bid and be pleased to open his financial bid. And/Or Pass such order/orders may deem fit and proper.		

7. परिवाद की समीक्षा एवं तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा:-

समिति द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के निर्णय को यथावत् रखने की अनुशंसा की जाती है।

[Signature]

[Signature]

8. परिवाद समिति का निर्णय :-

(i) विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा (1) M/s Raja Construction, के Ref:-शून्य दिनांक-17.08.2026 एवं (2) Shivalaya Construction Ltd. के Ref:-SCL-Bids/RCD/Bihar/2026/Pkg-49B/01, Date-17.08.2026 एवं (3) M/s Bhardwaj Construction के Ref:-113 दिनांक-17.08.2026 के द्वारा दिए गए परिवाद/आपत्ति को अमान्य करने का निर्णय लिया गया।

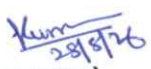
(ii) 05 (पाँच) निविदाकार यथा- (1) M/s Raja Construction को MBD Section-3 Clause 1.2.3, Section-4E. 10 एवं MBD Section-3 Clause-1.2.3 के तहत (2) M/s Bhardwaj Construction को MBD Section-3 Clause 2.2.1, Section 4E.5 के तहत (3) M/s Ramiya Construction Pvt. Ltd. को MBD Section 3: Clause 1.2.3, Section 4E.10 एवं MBD Section 3 : Clause 1.2.3 के तहत (4) Shivalaya Construction Ltd को MBD Section 3 : Clause 2.3.3, Section 4E.8 & 4E.9 एवं MBD Section 3 : Clause 2.6, Section 4, D.3 के तहत एवं (5) Avednex Pvt. Ltd. निविदा की सभी वांछित न्यूनतम अहर्ता पूर्ण नहीं करने के कारण तकनीकी बीड में असफल घोषित करने का निर्णय लिया गया।

(iii) विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में किसी भी निविदाकार के सफल नहीं होने के फलस्वरूप निविदा को रद्द कर पुनर्निविदा आमंत्रित करने का निदेश दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को निदेश दिया गया।

(iii) उपभागीय ज्ञापांक-2716 दिनांक-14.08.2026 द्वारा संसूचित दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के निर्णय को यथावत् रखा गया।

(iii) मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना संबंधित परिवादी बीडर को समिति के निर्णय से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

8.1 परिवाद समिति की इस कार्यवाही को विभागीय वेबसाइट पर भी डाली जाय।

 (राजकुमार) मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।	 (राजेश कुमार गुप्ता) मुख्य अभियंता, संविदा प्रबंधन, नीतिगत मामले एवं लेखा परीक्षा, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।	 (अभिषेक पलासिया) संयुक्त सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।	 (उमा कान्त रजक) अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव (कार्य प्रबंधन), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
--	---	--	--

ज्ञापांक: प्र0-7/निविदा-03-126/2026 5997 (E)

पटना, दिनांक 29/8/2026

प्रतिलिपि:- मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना/ मुख्य अभियंता(अनुश्रवण), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित/ आई0टी0 मैनेजर, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।


(उमा कान्त रजक)
अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव(कार्य प्रबंधन),
पथ निर्माण विभाग, बिहार पटना।